आज का सुविचार
सकारात्मक सोच से दुनिया बदल जाती है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 89 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

जानिए भारत में कहीं भी रहने की आजादी किस कानून से मिली- Fundamental right in India

भारत के प्रत्येक नागरिक को पूरे भारत में कहीं भी आने-जाने, घूमने और पर्यटन की आजादी भारतीय संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में दी गई है। यही कारण है कि एक राज्य के व्यक्ति को दूसरे राज्य में जाने से पहले किसी भी प्रकार के पासपोर्ट (सरकारी अनुमति) की जरूरत नहीं पड़ती। आइए जानते हैं कि भारत के प्रत्येक नागरिक को पूरे भारत में कहीं पर भी स्थाई रूप से निवास करने के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत पड़ती है या नहीं।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम, 1950 के अनुच्छेद 19(1)(ङ) की परिभाषा: भारत का कोई भी नागरिक भारत के किसी भी कोने में बस जाने, अस्थाई अथवा स्थाई रूप से रहने या निवास करने के लिए स्वतंत्र है। इसके लिए उसे किसी भी प्रकार की विशेष अनुमति की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अपना घर बनाने के लिए उसे उन्हीं सरकारी नियमों का पालन करना होगा जो उस राज्य के मूलनिवासी नागरिकों को करना पड़ते हैं। बाहरी होने के कारण उसे अलग से कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करना पड़ेगा।

किन मामलों में राज्य सरकार प्रतिबंध लगा सकती है:-

1. कोई ऐसा स्थान जो साधारणतया जनता के लिए खतरनाक हो या असुरक्षित हो।

2. या कोई ऐसा स्थान जो अनुसूचित जनजाति के हित में लिए संरक्षण किया गया हो।

उक्त दोनो आधार पर ही राज्य निवास के अधिकार पर प्रतिबंध लगा सकती है।

नोट- किसी वेश्या या आदतन अपराधी के निवास या बस जाने के अधिकार पर लगाया गया प्रतिबंध (जिला बदर अथवा राज्य की सीमा से बाहर कर देना) संवैधानिक एवं न्यायसंगत होगा।

विश्वस्तरीय बनें उच्च शिक्षा के सभी संस्थान
मुख्यमंत्री ने की उच्च शिक्षा गतिविधियों की समीक्षा

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी कैंपस एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थान विश्वस्तरीय बनाए जाएं। यह सभी संस्थान आईआईटी, आईआईएम और अन्य राष्ट्रीय संस्थानों की तर्ज पर विकसित किए जाएं। सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रोजगारपरक एवं बहुउद्देश्यीय विषय एवं कोर्सेस प्रारंभ किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग और प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में रोजगारपरक नवीन विषय प्रारंभ करने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल,सहित प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलगुरू, उच्च शिक्षाविद् एवं विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्सिंग एवं पैरामेडिकल महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी ली। अपर मख्य सचिव ने बताया कि सत्र 2025-26 में नर्सिंग कॉउंसिल द्वारा प्रवेश प्रकिया आरम्भ कर दी गई है। पैरामेडिकल कॉउंसिल द्वारा सत्र 2025-26 की मान्यता संबंधी प्रक्रिया एक माह में प्रारम्भ करने की बात कही गई है। नर्सिंग एवं पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को एनओसी उच्च शिक्षा विभाग के संचालनालय स्तर पर एवं मान्यता क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाएगी।

जनहित याचिका क्या है एवं कैसे लगाई जा सकती है, जानिए सभी नियम - Public Interest litigation

क्या आप अपने आस-पास में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं से नाखुश हैं या परेशान है या ऐसा लग रहा है कि सरकार कि नीतियों से बुनियादी रीतियों या मानव अधिकार का उल्लंघन हो रहा हो जिससे उनके बुनियादी मानव अधिकार नहीं मिल रहे हो, जिससे सामाजिक अन्याय हो रहे है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा हो। अगर आपको ऐसा लगता हैं तो आपको जनहित याचिका के बारे मे जानना बहुत ही जरूरी है। सामान्य रूप से ऐसे जागरूक लोगों के लिए जो कानून के माध्यम से समाज को ठीक करना चाहते है या समाज में परिवर्तन लाना चाहते है।उनके लिए जनहित याचिका एक शक्तिशाली उपकरण (साधन) हैं।

जनहित याचिका क्या है: जनहित याचिका भारतीय कानून में सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए मुकदमे का प्रावधान है। अन्य सामान्य अदालती याचिकाओं से अलग इसमें यह आवश्यक नहीं है कि पीड़ित पक्ष स्वंय अदालत में जाए। यह किसी भी नागरिक या स्वंय न्यायालय द्वारा पीड़ितों के पक्ष में दायर किया जा सकता हैं। जनहित याचिका में अब तक के बहुत से मामलों में सफलता मिली है, जैसे कारागार बंदी, सशस्त्र सेना, बालश्रम, बंधुआ मजदूरी, शहरी विकास, पर्यावरण एवं संशाधन, उपभोक्ता संरक्षण, शिक्षा, राजनीति, चुनाव, जबाबदेही, मानव अधिकार आदि ऐसे कई समस्याओं का समाधान हुआ है। न्यायिक प्रक्रिया ओर जनहित याचिका का संबंध एक दूसरे से बहुत हद तक समान हैं।जनहित याचिका का माध्यम वर्ग ने स्वागत किया है। यह बात बहुत ही महत्वपूर्ण हैं कि जनहित याचिका भारतीय संविधान या किसी अन्य कानून में परिभाषित नही है यह सुप्रीम कोर्ट के संवैधानिक व्याख्या से उत्पन्न हुई हैं। इसकी उत्पत्ति का श्रेय सुप्रीम कोर्ट को ही जाता हैं।ध्यान देने वाली बात यह है कि इसका कोई अन्तराष्ट्रीय समतुल्य भी नहीं है और इसे भारतीय अवधारणा के बारे मे देखा जाता हैं।इस प्रकार की याचिकाओं का विचार सबसे पहले अमेरिका में आया था, वहां पर इसे सामाजिक कार्यवाही याचिका कहा जाता हैं। यह न्यायपालिका का अविष्कार हैं और न्यायधीश निर्मित विधि हैं ऐसा कहा जाता हैं कि भारत में जनहित याचिका के जनक न्यायाधीश श्री पी. एन. भगवती हैं क्योंकि उन्होंने जनहित याचिकाओं कि स्वीकृति हेतु बहुत सारे नियम बनाए थे उन्होंने कहा था कि पोस्टकार्ड लिख कर भेज दीजिए उसे भी याचिका मना जाएगा।

जनहित याचिका के कुछ नियम: 1. लोकहित से प्रेरित कोई भी व्यक्ति, संगठन इन्हें ला सकता हैं।

2. न्यायालय में भेजा गया पोस्टकार्ड भी याचिका मान कर स्वीकार किया जा सकता हैं।

3. न्यायालय को अधिकार होगा कि वह इस याचिका हेतु सामान्य कोर्ट शुल्क भी माफ कर दे।

4. यह राज्य के साथ ही निजी संस्थानों के विरुद्ध भी लाई जा सकती हैं।

जनहित याचिका के लाभ: इस प्रकार कि याचिकाओं में जनता में स्वंय के अधिकारों एवं न्यायपालिका कि भूमिका के बारे मे चेतना बढती हैं। यह मौलिक अधिकारों के क्षेत्र को विस्तृत करता है उनको विस्तार देता हैं। इससे व्यक्ति को नए-नए अधिकार मिलते हैं। जैसा कि हमनें पिछले कुछ वर्षों में देखा है ऐसी याचिका कार्यपालिका ओर विधायिका को उनके संवैधानिक कर्तव्य करने को बाधित करती हैं। साथ ही जनहित याचिका भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन को सुनिश्चित करने का एक बड़ा कदम है।

जनहित याचिका कौन और कैसे दायर की जाती हैं: याद रखें कि कोई भी भारतीय नागरिक जनहित याचिका दायर कर सकता हैं परन्तु एक शर्त है कि इसे निजी हित की बजाय सार्वजनिक हित में दायर किया जाना चाहिए। मतलब यादि कोई मुद्दा अत्यंत सार्वजनिक महत्व का है तो कोई भी न्यायालय ऐसे मामले को स्वत: संज्ञान में ले सकता है या कोई भी व्यक्ति ऐसे मामले को न्यायालय में उठा सकता हैं।न्यायालय स्वंय ऐसे मामले को स्वीकार कर वकील की नियुक्ति कर सकता हैं।

जनहित याचिका कौन से न्यायालय में दायर की जाती हैं: याद रखें कि जनहित याचिका केवल भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत सुप्रीम कोर्ट में एवं अनुच्छेद 226 के अंतर्गत हाई कोर्ट में दायर की जाती हैं।

जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया: जनहित याचिका दायर करने से पहले याचिकाकर्ता को संबंधित मामलों की पूरी जानकारी ले लेना चाहिए यदि जनहित याचिका कई व्यक्तियो से सम्बंधित है या पूरी सोसायटी, समुदाय से संबंधित है तो याचिकाकर्ता को उन सभी व्यक्तियों से परामर्श कर लेना चाहिए उन से सहमति ले लेना चाहिए। जब कभी एक व्यक्ति द्वारा जनहित याचिका दायर करने का निर्णय ले लिया जाए तो फिर उसे अपने केस को मजबूत करने के लिए उस मामले से सम्बंधित सभी जानकारी ओर दस्तावेज इक्कट्ठा कर लेना चाहिए। सबसे ध्यान देने वाली बात यह है कि जनहित याचिका दायर करने वाला व्यक्ति खुद भी न्यायालय में बहस कर सकता है ऐसा जरूरी नहीं है कि आप वकील करे। लेकिन वकील को नियुक्त करना ठीक मना जाता हैं क्योंकि वकील को कानूनी दाब पेच का ज्ञान होता हैं और वह आप को सही सलाह दे सकता हैं।

हाई कोर्ट में दायर याचिका: यदि आप जनहित याचिका हाई कोर्ट में दायर करते है तो हमको यह जानना चाहिए कि हमें दो कॉपी उस याचिका कि बनानी होती हैं ओर उस कॉपी को आप कोर्ट में रखते हैं साथ ही याचिका की एक प्रति आपको अग्रीम रुप से एक प्रतिवादी को भेजनी होती हैं।?प्रतिवादी वह होता हैं जिसके विरुद्ध आप याचिका दायर कर रहे है?और इसका सबूत भी आपको याचिका में जोड़ना पडता हैं कि आपने एक प्रति प्रतिवाद को भेजें दी है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका: यदि आप जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में लेकर जा रहे है तो आपको ध्यान रखना होगा कि याचिका पांच कॉपी में जमा करनी होगी याद रखें इसमे जो भी प्रतिवादी हैं उनको जनहित याचिका कि कॉपी तभी भेजी जाती हैं जब सुप्रीम कोर्ट कोई नोटिस जारी करता है।

जनहित याचिका में शुल्क: अन्य न्यायालय के मुकदमों की फीस से बहुत कम शुल्क लगता हैं प्रत्येक प्रतिवाद के 50 रुपए शुल्क के हिसाब में देना होता हैं। कितना खर्च आएगा वह वकील की फीस एवं उसके खर्च पर निर्भर करता है।यदि आप स्वयं पैरवी कर रहे है तो बहुत ज्यादा खर्च नहीं लगता हैं।

■ लेखक एडवोकेट बीआर अहिरवार
(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार नर्मदापुरम)
9827737665

डॉ. भीमराव अंबेडकर- संविधान का शिल्पकार जिसने शोषितों की पीड़ा झेली और न्याय की नींव रखी

आज जब देश में विचारों की लड़ाई सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक फैल चुकी है, तब सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि हम अपने संविधान और उसके निर्माता को केवल नाम से नहीं बल्कि उनकी गहराई से जानें। संविधान विरोधी ताकतें भ्रम और झूठ के जाल में नई पीढ़ी को उलझाने का प्रयास कर रही हैं। इसलिए ज़रूरी है कि हम तर्क, प्रमाण और इतिहास की सच्चाई से सुसज्जित होकर बोलें ताकि जो झूठ फैलाया जा रहा है, वह अपने भार से स्वयं ढह जाए। भारत का संविधान क़ानून का ग्रंथ होने के साथ ही यह एक जागरूक क्रांति का दस्तावेज़ भी है। और इस क्रांति के निर्माता, शिल्पकार और जीवंत आत्मा थे—डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर। उन्होंने समाज की सबसे गहरी पीड़ा, असमानता और अपमान को महसूस किया, और उसी पीड़ा से न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का महाग्रंथ रचा।

तथ्य यह है कि जुलाई 1946 में ब्रिटिश सरकार ने बी.एन. राव को जो कार्य सौंपा था उसमें उनका कार्य था विभिन्न देशों के संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन करना और रिपोर्ट के रूप में संविधान सभा के समक्ष प्रस्तुत करना। उन्होंने ब्रिटिश, अमेरिकी, आयरिश, कैनेडियन, ऑस्ट्रेलियन और सोवियत संघ के संविधानों से उद्धरण और अनुच्छेदों का संकलन किया। यह रिपोर्ट 30 मई 1947 को संविधान सभा को सौंपी गई। लेकिन संविधान का यह प्रारूप किसी भी रूप में जनता की आकांक्षा का प्रतीक नहीं था। उसमें भारतीय समाज की असमानता, जातिगत विभाजन और ऐतिहासिक शोषण का कोई उपचार नहीं था। यह केवल एक प्रशासनिक संरचना का एक नाम मात्र का प्रारंभिक दस्तावेज़ था। यह भारतीय समाज की उम्मीद पर खरा ना उतर पाया तब 29

लेखिका-कु.प्रियंका जाटव
(सामाजिक कार्यकर्ता, विचारक-चिंतक)

अगस्त 1947 को संविधान सभा ने मसौदा समिति(ड्राफ्टिंग कमेटी) का गठन किया, तब उसके अध्यक्ष के रूप में डॉ. बी.आर. अंबेडकर का चयन सर्वसम्मति से हुआ। समिति के अन्य सदस्य थे—एन. गोपालस्वामी अय्यंगार, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, के.एम. मुंशी, सैयद मोहम्मद सादुल्ला, बी.एल. मित्तल और डी.पी. खैतान। यहीं से संविधान की वास्तविक आत्मा का निर्माण प्रारंभ हुआ।

संविधान सभा की बहसों और अभिलेखों (खंड 7, 1948-49) में यह स्पष्ट रूप से दर्ज है कि जब मसौदा तैयार करने के बाद प्रत्येक अनुच्छेद पर चर्चा हुई, तो डॉ. अंबेडकर ने हर अनुच्छेद का तर्क सहित उत्तर दिया तथा उन्होंने बाखूबी यह बताया की यह अनुच्छेद संविधान के लिए कितने आवश्यक हैं और इन्हें क्यों जोड़ा गया है और साथ ही साथ संविधान की मूल विचारधारा—स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय को सटीक संवैधानिक भाषा में ढाला। उन्होंने कहा था—राजनीतिक लोकतंत्र तभी टिकेगा जब उसकी नींव सामाजिक लोकतंत्र पर होगी।

संविधान के अनेक अनुच्छेद और मौलिक अधिकार जो प्रत्येक व्यक्ति के हित की बात करते हैं...हर व्यक्ति को न्याय और सम्मान पूर्ण जीवन प्रदान करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं जैसे उदाहरण स्वरूप-

अनुच्छेद 14- समानता का अधिकार
अनुच्छेद 15- भेदभाव से मुक्ति
अनुच्छेद 17- अस्पृश्यता का उन्मूलन
अनुच्छेद 19- स्वतंत्रता के अधिकार
अनुच्छेद 21- जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार आदि।

आज जो लोग बी.एन. राव को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करते हैं, वे यह भूल जाते हैं कि 1948 में बी.एन. राव का भारत छोड़कर संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (हेग) में नियुक्त होना और उनके विदेश चले जाने के बाद भारत के संविधान का कार्य पूर्णतः अधूरा रह गया और सारा भार डॉ.अंबेडकर पर था, इसके सभी जटिल दायित्व डॉ. अंबेडकर और उनकी मसौदा समिति के कंधों पर आ गए। संविधान का हर अनुच्छेद, हर प्रावधान अंबेडकर के जीवन के संघर्ष से जन्मा था। उन्होंने कहा था—हमें अपने राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना होगा। यह वही दर्शन था जिसने संविधान को मात्र सरकारी दस्तावेज़ नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति का घोषणापत्र बना दिया। संविधान सभा की 141 बैठकों में डॉ. अंबेडकर ने प्रत्येक बहेस का तार्किक, वैज्ञानिक और दार्शनिक उत्तर दिया। उन्होंने मौलिक अधिकारों, नागरिक स्वतंत्रता, पिछडों-अल्पसंख्यकों के अधिकार, अनुसूचित जाति व जनजातियों के संरक्षण जैसे सबसे जटिल मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने स्वयं 26 जनवरी 1950 को कहा—हमारे संविधान के निर्माण का दायित्व सौंपे जाने के लिए डॉ. अंबेडकर से बेहतर व्यक्ति कोई नहीं हो सकता था।

2 वर्ष 11 माह 18 दिन की मेहनत के बाद जो दस्तावेज़ तैयार हुआ, उसमें 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ और लगभग 60,000 से अधिक शब्द थे। यह विश्व का सबसे विस्तृत संविधान था—और उसकी संरचना, भाषा और आत्मा सभी डॉ. अंबेडकर की बौद्धिक दृष्टि से संचालित थीं।

आज जो लोग भ्रम फैलाते हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि चिराग की रोशनी से सूर्य की आभा नहीं मापी जाती। इतिहास गवाह है...संविधान का निर्माता केवल वही हो सकता है, जिसने अपनी कलम, बुद्धि और संघर्ष से उसकी हर पंक्ति को जीया हो और वह थे डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर।

जिस इंसान ने अपना संपूर्ण जीवन संघर्ष में व्यतीत किया, अस्पृश्यता के दंश को सहते हुए अत्यंत संघर्षों से उच्च शिक्षाप्राप्त की, जिन्हें सिम्बल ऑफ नॉलेज कहा गया, उस महान शख्सियत को भारत में जीवित रहते भारत रत्न मिलना चाहिए था, किंतु नफ़रतकारों को शायद यह मंजूर नहीं था। अंततः अत्यंत संघर्षों के बाद मरणोपरांत बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न मिला। चिंतन का विषय यह है कि जिस महान शख्सियत—डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने अपना सम्पूर्ण जीवन प्रत्येक व्यक्ति के न्याय, शिक्षा और सम्मानजनक जीवनयापन की रूपरेखा में लगाया, आज उसी महान विभूति को वर्तमान समय में अपमानित किया जा रहा है। इतनी भी नफ़रत अच्छी नहीं। नफ़रतकारों! सर्वप्रथम इतिहास में झांको और अपने आँकड़े दुरुस्त करो। सत्य पर झूठ की चादरें डालने से सत्य कभी छिपता नहीं है। डॉ. अंबेडकर वह सूर्य हैं, जिनके ज्ञान का प्रकाश देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में सदा अमर रहेगा।

घातक रेबीज़ वायरस मस्तिष्क पर डालता है हानिकारक प्रभाव रेबीज़ का इलाज संभव नहीं

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल

आजकल गलियों में आवारा कुत्तों के हमले व काटने की घटनाएँ बढ़ रही है कई बार ये आवारा कुत्ते झुण्ड में हमला करते हैं ये बहुत ही खतरनाक होता है क्योंकि ये आवारा कुत्ते भयानक बीमारी रेबीज़ से संक्रमित हो सकते हैं । आइए जानते हैं रेबीज़ क्या है और यह कुत्ते के काटने पर कैसे प्रभावित कर सकता है?घातक रेबीज़ वायरस मस्तिष्क पर हानिकारक प्रभाव डालता है और संक्रमित जानवर की लार के संपर्क में आने से फैलता है। पालतू जानवर, मवेशी, वन्यजीव और इंसान सभी इससे प्रभावित हो सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई यह है कि यह वायरस लगभग जानलेवा होता है। एक बार इस घातक वायरस के लक्षण दिखाई देने पर, कुछ ही दिनों में मृत्यु की आशंका रहती है। हर साल जानवरों में रेबीज़ के लगभग 5,000 मामले सामने आते हैं, जिनमें से ज़्यादातर जंगली जानवर होते हैं। चमगादड़, रैकून, लोमड़ी और स्कंक ऐसे

जानवर हैं जिनमें इस वायरस के फैलने की सबसे ज़्यादा संभावना होती है। यदि कुत्ता रेबीज से संक्रमित है, तो उसके काटने या उसकी लार के संपर्क में आने के बाद लक्षण 10 से 14 दिनों के भीतर प्रकट हो सकते हैं, लेकिन जोखिम के प्रकार के आधार पर, उन्हें प्रकट होने में महीनों या वर्षों का समय भी लग सकता है।वायरस को तंत्रिका तंत्र से होते हुए मस्तिष्क तक पहुंचना होता है, यदि प्रारंभिक संपर्क दूर से हुआ हो तो इसमें अधिक समय लग सकता है। यदि किसी कुत्ते को रेबीज़ है, तो उसमें विभिन्न संकेत और लक्षण दिखाई दे सकते हैं, जैसे अलग तरह से भौंकना अत्यधिक लार आना असामान्य आक्रामकता, भय, या यहाँ तक कि स्नेह स्पर्श, ध्वनि या प्रकाश के प्रति अति प्रतिक्रिया उस स्थान पर काटना जहाँ वे वायरस के संपर्क में आए थे निगलने में कठिनाई चलते समय संतुलन खोना आंशिक या पूर्ण पक्षाघात गिरना रेबीज़ से ग्रस्त कुत्ता असामान्य व्यवहार कर सकता है, जिसमें गोल-गोल घूमना या चक्कर लगाना शामिल है। यह रेबीज़ वायरस के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने के कारण होता है, जिससे मस्तिष्क में न्यूरोलॉजिकल समस्याएं पैदा होती हैं, जो ऐसे व्यवहार का कारण बन सकती हैं। यदि आप किसी कुत्ते को इस तरह का व्यवहार करते हुए देखते हैं, खासकर यदि वह आपको काटने या खरोंचने की कोशिश कर रहा हो, तो उसे तुरंत पशु चिकित्सक के पास ले जाएं और संपर्क करने से पहले खुद भी सावधानी बरतें। रेबीज़ के लक्षण और व्यवहार तंत्रिका संबंधी लक्षण रेबीज़ मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। जब वायरस दिमाग तक पहुंच जाता है, तो यह तंत्रिका संबंधी लक्षण पैदा करता है, जिनमें गोल-गोल घूमना, भटकाव या असंतुलन शामिल हो सकते हैं। अन्य व्यवहारिक बदलाव संक्रमित कुत्ते आक्रामक हो सकते हैं, डरपोक बन सकते हैं, या बहुत ज़्यादा उत्तेजित हो सकते हैं। शारीरिक लक्षण रेबीज़ के अन्य लक्षणों में अत्यधिक लार बहना, निगलने में कठिनाई, और लकवाग्रस्त होने से पहले व्यवहार में बदलाव शामिल हो सकते हैं। यदि आप ऐसे कुत्ते को देखें तो सुरक्षित दूरी बनाएँ रेबीज़ एक घातक बीमारी है और संक्रमित जानवरों के काटने या खरोंचने से मनुष्यों में फैल सकती है। इसलिए ऐसे किसी भी कुत्ते से दूरी बनाएँ जो असामान्य व्यवहार कर रहा हो। यदि आपको रेबीज़ के लक्षण वाला कुत्ता दिखता है, तो तुरंत स्थानीय पशु चिकित्सक से संपर्क करें। वे उचित कदम उठा सकते हैं और कुत्ते का इलाज या निदान कर सकते हैं।

शहर के विभिन्न के खाद्य प्रतिष्ठानों का परीक्षण,दूषित एवं खराब खाद्य सामग्री का विक्रय न करने के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

कलेक्टर भोपाल कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार सोमवार को आगामी त्योहारों में आमजन को शुद्ध एंव गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की सुगम उपलब्धता के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से शहर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को दुकान में स्वच्छता रखने एवं खाद्य पदार्थों को ढक कर रखने के लिए निर्देशित किया गया एवं खाद्य कारोबारकर्ताओं को समझाइश दी गई कि किसी भी दशा में दूषित एवं खराब खाद्य सामग्री का विक्रय न करने के निर्देश दिये। निरीक्षण किये गये मुख्य प्रतिष्ठानों में रायसेन रोड पिपलानी में ओमजय सेव नमकीन से बेसन एवं तेल, गौरव डेरी से दूध, दही, घी, मावा, क्वालिटी स्वीट्स हाउस से मिल्क केक, बादामवर्की, मगज लड्डू, मावा वर्फी के, गोपाल दूध डेरी से दूध, दही, मावा, पनीर, घी के नमूनों की चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर ही जाँच की गई। सभी मानक पाए गए इसके अतिरिक्त चलित प्रयोगशाला के माध्य खादय सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा इंद्रपुरी स्थित बजरंग स्वीट्स से नमकीन मठरी, बेसन लड्डू, मिल्क पेड़ा, मिल्क केक, एम.पी.नगर स्थित मनोहर फूड्स से मिल्क केक, मिलन स्वीट्स से मलाई बर्फी, बेसन लड्डू, मावा पेड़ा एंव नमकीन सेव एंव अशोका गार्डन स्थित पंजाब डेयरी से मावा, राजस्थान मिष्ठान भंडार अरविंद विहार बागमुगलिया से समोसा और मावा पेड़ा के नमूने, परमार डेयरी 11 नंबर मार्केट से पनीर का नमूना एवं अमीरा नमकीन हाउस अरेरा कालोनी से नमकीन के सैंपल संग्रहित किये गये। निरीक्षण दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

उदयपुरा के रमाकांत चौहान बने एबीवीपी के भाग संयोजक।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा,रायसेन। जिले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का जिला अभ्यास वर्ग 14 व 15 अक्टूबर को शगुन गार्डन रायसेन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार के अंतर्गत उदयपुरा के सक्रिय कार्यकर्ता रमाकांत

चौहान को भाग संयोजक का दायित्व सौंपा गया। रमाकांत इससे पहले नगर मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहकर संगठन में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनकी कार्य क्षमता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए जिला पदाधिकारियों ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। दायित्व मिलने के बाद चौहान ने कहा कि वे विद्यार्थी परिषद के कार्य को और अधिक विस्तार देंगे तथा संगठन को नए शिखर तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे। रमाकांत चौहान को नई जिम्मेदारी मिलने पर उनके शुभचिंतकों और एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

भोपाल ईस्टर्न बायपास स्थित सूखी सेवनिया आरओबी पर सड़क धंसने की घटना जनहानि नहीं,जांच दल गठित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

स्टेट हाईवे 18 अंतर्गत भोपाल ईस्टर्न बायपास पर स्थित सूखी सेवनिया आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) के एक तरफ की आर-ई वॉल क्षतिग्रस्त होने के कारण सड़क का एक हिस्सा धंस गया है। घटना में किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारी एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी तत्काल स्थल पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षतिग्रस्त क्षेत्र को बैरिकेड कर दिया गया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। फिलहाल, सड़क धंसने के कारणों की जांच के साथ ही मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।एमपीआरडीसी के अधिकारियों के अनुसार, यह सड़क वर्ष 2013 में मेसर्स ट्रॉन्सट्राय प्रा. लि. द्वारा बीओटी मॉडल के तहत बनाई गई थी। कंपनी द्वारा अनुबंध की शर्तों का पालन न करने पर वर्ष 2020 में उसका अनुबंध निरस्त कर दिया गया था। घटना पर एमपीआरडीसी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच दल गठित किया हैं। यह दल आर-ई वॉल के धंसने के कारणों की तकनीकी जांच कर शीघ्र अपनी रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगा, जिसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच रिपोर्ट में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित जिम्मेदार के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा हाथों की स्वच्छता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नर्मदापुरम। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम मे राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा हाथों की स्वच्छता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री राजदीप भदौरिया, सहायक प्राध्यापक, ने हाथों की स्वच्छता के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वच्छ हाथ न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, बल्कि संक्रामक रोगों की रोकथाम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्रों को हाथ धोने की सही विधि, समय और आवश्यक परिस्थितियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा महेंद्र कुमार पटेल ने किया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष बने श्री दातार सिंह मीणा का हुआ भव्य स्वागत

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

सलामतपुर, रायसेन। भाजपा के पुन:नियुक्त जिला हुए उपाध्यक्ष आदरणीय श्री दातार सिंह मीणा जी का मीणा समाज सेवा संगठन द्वारा नगर सलामतपुर में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाजजनों में हर्ष का वातावरण देखने को मिला कार्यक्रम के दौरान श्री दातार सिंह मीणा जी का फूलमालाओं से स्वागत कर उनका अभिनंदन किया गया। समाज के वरिष्ठजन, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी की शुभकामनाएँ दीं अपने संबोधन में श्री मीणा जी ने कहा कि यह दायित्व जनता और संगठन की सेवा के प्रति समर्पण को और मजबूत करेगा। उन्होंने समाज के विकास, युवाओं के उत्थान एवं जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में मीणा समाज सेवा संगठन के जिला महामंत्री श्री भगवान सिंह मीणा जी,जिला उपाध्यक्ष श्री किशन सिंह मीणा जी,श्रीकमलसिंह मीणा जी लीलाकिशन मीणा जी,श्री बदन सिंह मीणा जी,श्री बलराम मीणा जी,श्री महाराज सिंह मीणा जी,श्री ओमप्रकाश मीणा जी,श्री राकेश मीणा जी ,श्री बहादुर मीणा जी ,भाजयुमो नगर अध्यक्ष श्री दीपक मीणा जी ,मण्डल अध्यक्ष श्री प्रकाश मीणा श्री कमलेश मीणा, श्री राजेन्द्र मीणा भाजपा कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आदिम जाति कल्याण विभाग का नाम बदलकर भ्रष्टाचार कल्याण विभाग कर देना चाहिए - डॉ जवर सिंह अग्र

मध्य प्रदेश आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ (AWAKS - अवाक्स) के संस्थापक प्रांतीय अध्यक्ष तथा आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास आश्रम शिक्षक अधीक्षक संघ (CASAS - कसस) के संस्थापक प्रांत अध्यक्ष डॉ जवर सिंह अग्र ने कहा है कि आदिम जाति कल्याण विभाग का नाम अब भ्रष्टाचार कल्याण विभाग कर देना चाहिए भ्रष्टाचारियों को सजा मिलना चाहिए लेकिन बड़े दुख की बात है की वरिष्ठ अधिकारी इस विभाग की जांच पर जांच करने पर लगे हैं कई जांच कमेटी गणित की गई 2 - 2 , 3 -3 साल हो गए लेकिन आज तक जांच रिपोर्ट कलेक्टर महोदय को सबमिट नहीं की है वह सबमिट नहीं की जा रही भ्रष्टाचार्यों को बचाया जाता है जब तक वह सेवा निवृत्ति हो जाते हैं तत्कालीन प्रभारी सहायक आयुक्त मूल पद जिला संयोजक ऊषा पाठक पर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में प्रकरण चल रहा है फर्जी छात्रवृत्ति के बारे में सेवानिवृत्ति हो गई सभी भुगतान हो गए कई जहां से चल रही है इसी प्रकार हरी बाबू शर्मा प्रभारी सहायक आयुक्त मूल पद प्राचार्य मूल पद स्थापना स्थान संभागीय उप आयुक्त कार्यालय संभाग ग्वालियर यह भी सेवानिवृत हो गए कई जाचें चल रही है लेकिन सभी कीलेम का भुगतान हो गया इसी प्रकार राकेश गुप्ता मूल पद प्राचार्य मूल पद स्थापना ज्ञानोदय विद्यालय कराहल जिला श्योपुर इनको भी ग्वालियर का प्रभार दिया गया कई शिकायत हुई जांच चल रही है शिकायत हुई वह भी अभी तक लंबित है और उन्होंने दूसरे जिले का प्रभार प्राप्त कर लिया उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई की गई अब राजेंद्र शर्मा प्रभारी सहायक आयुक्त मूल पद वरिष्ठ व्याख्याता फर्जी प्राचार्य मूल पद स्थापना स्थान परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर इसको सहायक आयुक्त का प्रभार देने में तो बड़ा गजब का खेल किया गया है मध्य प्रदेश शासन ने प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर के कार्य के साथ-साथ जिला संयोजक जनजाति कार्य विभाग जिला भिंड का प्रभार दिया गया परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर संभाग शासन के अधीन आता है न की जिला के अधीन फिर भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ग्वालियर विवेक कुमार जी ने इनको ग्वालियर जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त का प्रभार दे दिया गया मजे की बात तब है यह भिंड के प्रभार का इसमें कोई उल्लेख नहीं था और तत्कालीन कलेक्टर भिंड ने इन्हें कार्य मुक्त भी कर दिया गया डॉ जवर सिंह अग्र ने कहा है कि भ्रष्टाचार के आगे सब नत-मस्तक हैं अब आदिम जाति कल्याण विभाग आदिम जातियों का कल्याण करने के लिए है जिन्हें अब अनुसूचित जाति जनजाति कहा जाता हैं अथवा दलित आदिवासी कहते हैं लेकिन इसमें तो नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है अधिकारियों की कई जांचें चल रही है लेकिन उन्हें सभी के क्लेम के भुगतान कर दिए जाते हैं कर्मचारियों को परेशान किया जाता है वरिष्ठ नेता अग्र ने आरोप लगाया है की आदिवासी बालक आश्रम आरोन आदिवासी बालक आश्रम हरसी आदिवासी आश्रम मोहना आदिवासी बालक आश्रम कन्या घाटीगांव एवं आदिवासी बालक आश्रम घाटीगांव आदिवासी बालक आश्रम उम्मेदगढ मैं अध्यापन कार्य के लिए शिक्षक ही पदस्थ रही है आदिवासी बालक आश्रम अंग्रेजी माध्यम ग्वालियर में संचालित है 6-7 शिक्षक पदस्थ हैं लेकिन अंग्रेजी माध्यम का एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं अशासकी कॉलेज के माध्यम से फर्जी छात्रवृत्ति अरबो रुपए का घोटाला तत्कालीन अधिकारियों ने किया है जिले के छात्रावास आश्रमों की स्थिति बाद से बढ़कर है एक सहायक है एक क्षेत्र संयोजक है एक मंडल संयोजक सदस्य हैं लेकिन तीनों के तीनों जिला कार्यालय के एक में बैठे-बैठे मस्ती करते हैं सहायक मंडल संयोजक और क्षेत्र संयोजक को जांच के लिए नहीं भेजते हैं अधिकारियों की कई शिकायतें हैं कई जांचे चल रही है और वर्तमान अधिकारी भी भ्रष्टाचार करने में मस्त है प्रभारी सहायक आयुक्त राजेंद्र शर्मा अधीक्षकों से कमीशन लेने के चक्कर में खुली छूट दे रखी है 17 वर्षों में छात्र-छात्राएं ही नहीं है कहीं-कहीं तो प्रवेश ही नहीं है लेकिन वर्तमान प्रभारी सहायक आयुक्त राजेंद्र शर्मा किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं उन्हें तो भ्रष्टाचार कर धन कमाने से से मतलब है रहे हैं जांच के नाम पर खाना पूर्ति हो रही है इसलिए दलित आदिवासियों का विकास सरकार चाहती है लेकिन अधिकारी नहीं चाहते इसलिए आदिम जाति कल्याण विभाग का नाम बदलकर भ्रष्टाचार कल्याण विभाग कर देना चाहिए साथी मांग की है कि इस विभाग की जितनी शिकायतें लंबित है उनके वरिष्ठ अधिकारियों के पांच पांच सदस्यों की जांच कमेटी बनाकर अलग-अलग जांच की जाए जिसमें विभाग का एक भी अधिकारी नहीं होना चाहिए।

डॉ जवर सिंह अग्र

नन्ही प्रतिभा, प्रतिष्ठा गौतम ने अलवर में रचा स्वर्णिम इतिहास

एक लाठी और दो लाठी प्रतियोगिता में डबल गोल्ड

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर। बरगवां अमलाई निवासी नन्ही प्रतिभा, प्रतिष्ठा गौतम ने अंडर 8 वर्ग में जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने राष्ट्रीय पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता 2025 में एक लाठी और दो लाठी दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ा कीर्तिमान बनाया। प्रतियोगिता का आयोजन अलवर (राजस्थान) में किया गया।प्रतिष्ठा को स्वर्ण पदक मिलने पर नगर परिषद बरगवां अमलाई में खुशी की लहर है। सम्मान समारोह में उनके साथ दादा राम लखन मिश्रा और पिता आशीर्वाद मिश्र मौजूद रहे। आयोजन समिति की ओर से उन्हें प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किया गया।प्रतिष्ठा इससे पहले उज्जैन में आयोजित मप्र राज्य स्तरीय पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर दो स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि परकोच ओर मार्गदर्शक अगमदीप, पिता आशीर्वाद मिश्रा, चाचा अनुरोध मिश्रा, दादा रामचरित्र मिश्रा, रामलखन मिश्रा, अवनीश मिश्रा, विनोद पाण्डेय, प्रदीप मिश्रा, विवेक पाण्डेय परिषद् अध्यक्ष गीता गुप्ता, राजेश मिश्रा विद्याधर मिश्र पवन चीनी अभिषेक गुप्ता सहित परिवारजनों और नगरवासियों ने हर्ष और गर्व व्यक्त किया।

2 प्रति फोटोकॉपी के लिए 5 हजार का लगाया बिल, लपरी ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव ने मिलकर किया बड़ा घोटाला

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

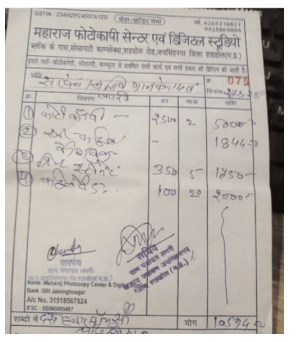
महाराज फोटोकापी सेन्टर एवं डिजिटल स्टूडियो

शहडोल/जयसिंहनगर। तहसील जयसिंहनगर के अंतर्गत एक बार फिर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है. ग्राम पंचायत लपरी में सरपंच और सचिव मिलकर खुलेआम जनता का पैसा डकार रहे हैं. इस बार तो भ्रष्टाचार के मामले में लपरी पंचायत ने कुदरी पंचायत को कोसों दूर पीछे छोड़ दिया है. चलिए आपको बताते हैं कि पूरा मामला क्या है. आप कभी कल्पना कर सकते हैं कि दो प्रति फोटोकॉपी करवाने की कीमत 5000 रुपये हो सकती है. नहीं कर सकते हैं ना? लेकिन ग्राम पंचायत लपरी में ऐसा ही खेल हुआ है, जिससे वहां की जनता अब तक अनजान है. लपरी पंचायत ने महज 2 प्रति फोटोकॉपी के लिए 5000 रुपये का भुगतान किया है, जिसका बिल इन दिनों चर्चा में आ गया है.

1 पेज की फोटोकॉपी की कीमत 2500 रुपये: बिल में बताया गया कि 2500 रुपये 1 पेज की फोटोकॉपी के लिए भुगतान किया है. अमूमन दो प्रति फोटोकॉपी की कीमत 5 से 10 रुपये हो सकती है, लेकिन लपरी पंचायत में इसके लिए 5 हजार रुपये दिए गए हैं. ये भ्रष्टाचार नहीं है तो फिर क्या है.

सचिव और सरपंच ने मिलकर किया भ्रष्टाचार: यह फोटोकॉपी महाराज फोटोकॉपी सेंटर एवं डिजिटल स्टूडियो में हुई है. आप सोच सकते हैं कि इस शॉप में फोटोकॉपी कितनी महंगी है. दरअसल, यह बिल ही फर्जी है. ग्राम पंचायत लपरी के सचिव और सरपंच ने मिलकर दो प्रति फोटोकॉपी का फर्जी बिल लगा दिया और 5 हजार रुपये अपने जेब में रख लिए, जिसका खुलासा अब हो चुका है.

बिल पर सरपंच-सचिव के साइन भी हैं मौजूद: इस बिल में सरपंच और सचिव ने बकायदा साइन किए हैं और उनके सील भी लगे हैं. आप सोचिए अभी तो सिर्फ एक ही मामला है. दोनों ने मिलकर अब तक ऐसे ही ना जाने कितने फर्जी बिल लगाकर लाखों का भ्रष्टाचार किया होगा. कुछ दिनों पहले ही कुदरी ग्राम पंचायत में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें 2 प्रति फोटोकॉपी के लिए 4 हजार रुपये का भुगतान किया गया था ।

डबरा नगर पालिका द्वारा डबल एजेंडा और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप: राजौरिया

डबरा। नगर पालिका परिषद द्वारा कल, 17 अक्टूबर को बुलाया गया साधारण सम्मेलन की बैठक के एजेंडे पर वार्ड क्र. 16 की पार्षद श्रीमती सुनीता महाराज सिंह राजौरिया ने परिषद पर भ्रष्टाचार, अनियमितता और घोर जन-विरोधी कार्यशैली का बड़ा आरोप लगाया है। पार्षद श्रीमती राजौरिया ने प्रेस को बताया कि दो अलग-अलग एजेंडे जारी करना मनमानी और गैर-जिम्मेदाराना रवैया दर्शाता है, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता को खत्म करना है।

विरोध और क्षेत्रीय समस्याओं के मुख्य बिंदु

1. डबल एजेंडा — परिषद ने मुख्य एजेंडा जारी कर बिना किसी स्पष्टीकरण के अनुपूरक एजेंडा जारी किया। यह दर्शाती है, कि परिषद किसी भारी दबाव में है और जल्दबाजी में प्रस्तावों को पास कराने की साजिश रच कर दबाव और अनियमितता का सबूत दे रही है। यह लोकतंत्र का मज़ाक है।
2. शहर में %अंधेरा राज%, खंभों पर लाइट नहीं और करोड़ों की कमीशनखोरी ङ्क शहर के हर वार्ड में लाइटें महीनों से खराब पड़ी हैं, पूरा शहर अंधेरे में है। शहर में खंभों पर लाइटें नहीं हैं, नपा कई बार लाखों की खरीदी कर चुकी है, फिर भी अंधेरा व्याप्त है। अन्य बिन्दु जैसे - कब खरीदी गईं- खरीद की तारीखें?, कितनी खरीदी गईं- लाइट्स की कुल संख्या, किस दर पर खरीदी गईं- प्रति लाइट की दर और कुल लागत, स्टॉक और उपयोग की स्थिति - खरीदी गई लाइट्स वर्तमान में कहाँ किस स्थिति मे हैं?, कितनी चालू हैं?, कितनी स्टॉक में बची हैं?

3. स्वास्थ्य संकट और भयावह गंदगी - परिषद की लापरवाही के कारण शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मुख्य मार्गों और गलियों में कचरे के ढेर लगे हैं, और सफाईकर्मी कचरा उठाने के बजाय उसे वहीं जला देते हैं, जिससे भयंकर प्रदूषण हो रहा है।

कन्या विद्यालय जैसे संवेदनशील स्थानों और प्रमुख प्रतिष्ठानों के आस-पास भी गंदगी का अंबार लगा रहता है। यह स्थिति शहर के बच्चों और नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

4. फिर भी, परिषद करोडो के नए उपकरण खरीदने का प्रस्ताव लाई है, जबकि पुरानी मशीनों का इस्तेमाल भी ठीक से नहीं हो रहा।
5. जरूरी काम गायब, पैसे खर्च करने की जल्दी - एजेंडे में जर्जर सड़कें, पेयजल की अनियमित आपूर्ति और जल निकासी की गंभीर समस्या, पूरी तरह से नदारद हैं। यह साबित करता है कि परिषद की प्राथमिकता डबरा के विकास के बजाय सिर्फ वित्तीय प्रस्तावों पर मोहर लगाकर जल्दबाजी में पैसा खर्च करना है।
6. जनता का सबसे ज़रूरी काम, नामांतरण, महीनों से रुका हुआ है। नामांतरण की कानूनी प्रक्रिया का अधिनियम के तहत 3 माह में निर्णय करना होता है, उसका पालन क्यों नहीं हो रहा है? इस देरी का ज़िम्मेदार कौन है? 1 लगायत 30 वार्डों के सभी लंबित नामांतरण प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही कर, नामांतरण प्रमाण-पत्रों को अध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं पार्षदों द्वारा वितरण कराया जाए।
7. खेल प्रेमियों के साथ अन्याय- शहर का एक मात्र बड़ा खेल मैदान भी खराब है, नगर पालिका इस मैदान को सरकारी कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल करती है, लेकिन इस्तेमाल के बाद मैदान को खराब स्थिति में छोड़ देती है और उसकी मरम्मत कभी नहीं कराती है। नपा का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।
8. शहर के नालों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नालों की सफाई न होने के कारण उनमें कीड़े पनप रहे हैं। नालों के पास निवास कर रहे लोग, विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग, इन कीड़ों के कारण गंभीर बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। कीड़े और दूषित कण हवा के माध्यम से खाद्य सामग्री (Food Material) में चले जाते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। नालों की सफाई केवल कागज़ों में हो रही है, जबकि वास्तविक स्थिति भयावह है। सफाई के कार्य का वार्ड पार्षदों द्वारा निरीक्षण अनिवार्य किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कार्य धरातल पर हुआ है। कीटनाशकों का छिड़काव कराया जाए, ताकि कीड़ों के पनपने को रोका जा सके।
9. जल निकासी (नरिया) का जीर्णोद्धार और बाढ़ प्रबंधन की उपेक्षा ने नागरिकों को हर साल बाढ़ के खतरे में डाल दिया है। हर मानसून और बाढ़ के दौरान, नाले/नरिया के आस-पास के घर डूब में चले जाते हैं। यह नागरिकों के जीवन और संपत्ति के लिए एक बड़ा खतरा है। यह सिर्फ सफाई का मुद्दा नहीं है, बल्कि नरिया के जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए, ताकि अगले वर्षाकाल से पहले नागरिकों को डूब क्षेत्र के खतरे से बचाया जा सके।

अत: पार्षद श्रीमती सुनीता राजौरिया ने मांग की है, कि परिषद भ्रष्टाचार की आशंका वाले प्रस्तावों को तत्काल रद्द करे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मनमानी और दबाव में प्रस्ताव पारित किए गए, तो वह सम्मेलन का बहिष्कार करेंगी और डबरा की जनता के साथ मिलकर सड़कों पर उतरकर बड़ा जन-आंदोलन शुरू करेंगी।

भवदीय
श्रीमती सुनीता महाराज सिंह राजौरिया
पार्षद, वार्ड क्र. 16
नगर पालिका परिषद डबरा

महान सम्राट अशोक सम्मान से सम्मानित शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के पोते मूलचन्द मेधोनिया

भोपाल। ग्रेट समार्ट अशोक सम्मान समाज प्रवर्तन 254 दिन बाइक यात्रा मध्यप्रदेश के समापन समारोह एवं संवैधानिक अधिकार एकता व सम्मान महाअधिवेशन के अवसर पर पर अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान मूलचन्द मेधोनिया द्वारा अनुसूचित जाति के महान क्रांतिकारी व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शूरवीर मनीराम अहिरवार के आजादी के आंदोलन में दिये योगदान पर उनका

इतिहास उजागर करने एवं देश, प्रदेश में इनके व्यवहार, कार्य द्वारा सामाजिक मानवतावादी स्वर्णिम प्रबुद्ध वैश्विक आधुनिक भारत में संवैधानिक अधिकार एकता स्थापित करने सामाजिक महापुरुषों, पुरखों के भारत निर्माण मिशन, समाज प्रवर्तन के योगदान को देखते हुए ग्रेट अशोका ट्रस्ट के चेयरमैन देवा बोधी, डॉ. दिनेश पटेल एवं उनकी टीम को 23 जनवरी से 11 अक्टूबर 2025 सहयोग, समर्थन देकर 12 अक्टूबर 2025 महान समार्ट अशोक 254 दिन बाइक यात्रा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश समापन समारोह तथा संवैधानिक स्वाधीन अधिकार एकता व सम्मान महाअधिवेशन में सम्मलित होकर सहभागिता देकर महाअधिवेशन को गौरवान्वित करने पर उक्त सम्मान देकर सम्मानित किया गया है। मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार को सम्मान देते हुए संवैधानिक स्वाधीन भारत के संस्थापक व अध्यक्ष पारसनाथ कुशवाहा, सिंगरौली, ग्रेट अशोका ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. दिनेश पटेल एवं अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा जिला भोपाल के अध्यक्ष सुरेश चन्द मौर्य भोपाल ने मूलचन्द मेधोनिया के बारे में कहा कि यह वह महान क्रांतिकारी परिवार के है। जिनके दादा जी के

आजादी के महान आंदोलन में अपनी कुर्बानी देकर सम्पूर्ण समाज को गौरवान्वित किया है। महान समार्ट अशोक सम्मान महाअधिवेशन में पूर्व कलेक्टर जे. पी. माली, अध्यक्ष संयुक्त माली सैनी मरार समाज भारत, एडीशनल चीफ सीएम हाउस राजेश अहिरवार एवं अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के बैजनाथ पटेल जबलपुर के करकमलों द्वारा सम्मान पत्र व अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार के परिवार द्वारा सभी का आभार, वंदन, अभिनंदन करते हुए सभी का मैत्रीभाव से आभार व्यक्त किया है कि अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के सभी संगठनों द्वारा शहीद परिवार के उत्तराधिकारी मूलचन्द मेधोनिया को सम्मान दिया जा रहा है। तथा सभी जाति के प्रबुद्ध संगठनों के सरोकारों द्वारा मांग की जा रही है कि अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार की जन्मभूमि चीचली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर में विशाल स्मारक, मूर्ति, सामाजिक प्रेरणा केन्द्र स्थल बनाया जाये। तथा देश की आजादी में योगदान देने वाले महान क्रांतिकारी के परिवारों को जो सुविधाएं सरकार द्वारा दी जाती रही है वह सुविधा और सम्मान मूलचन्द मेधोनिया व उनके परिवार को शीघ्र दिया जाये। अनुसूचित जाति, जनजातियों एवं दलित पिछड़ा वर्ग के संगठनों द्वारा सरकार से अपेक्षा की है कि हमारे समाजों के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान दिया जाये।

अध्यक्ष महामंत्री सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने ली एच एम एस की सदस्यता

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतमा। जमुना कोतमा कोयला मजदूर सभा जमुना कोतमा क्षेत्र के प्रिय कामगार साथियोंबड़े हर्ष का विषय है कि को म सभा एच एम एस संगठन पर भरोसा जताते हुए एटक श्रमसंघ के पूर्व अध्यक्ष उग्रभान मिश्रा एवं पूर्व महामंत्री रिषी नारायण तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने दिनांक 16 अक्टूबर 25 को ऋषि तिवारी के आवास में श्रीकांत शुक्ला क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं उमेश मिश्रा जे सी सी सदस्य के नेतृत्व में प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किए हर्षोल्लास के इस मौके में क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला द्वारा तिलक लगाकर माल्यार्पण कर सदस्यता दिलाई गई श्री शुक्ल ने बताया कि प्रिय साथियों यह बताना आवश्यक है कि 9×10खदान के एटक के अध्यक्ष सचिव सहित पूरी कार्यकारिणी, भदरा 7×8खदान के अध्यक्ष सचिव सहित पूरी कार्यकारिणी,स्ट्र ह्रष्टक्र के अध्यक्ष एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने सदस्यता ग्रहण किए सदस्यता ग्रहण करने वाले उग्रभान मिश्रा पूर्व अध्यक्ष,ऋषि नारायण तिवारी पूर्व महामंत्री,सुनील कुमार मिश्रा पूर्व श्रम कल्याण समिति सदस्य,चंद्रमणि पयासी, शिवा वर्मन, नोखेलाल मिश्रा,राजू वर्गीश,सुनील सिंह,इंद्रमणि तिवारी, अमसिया बाई,प्रतिमा तिवारी, नाथूलाल, एन के शर्मा,श्रवण चतुर्वेदी,रोशनदाश,मो एहसान,अहमद खान,संजय चटर्जी,राजेंद्र गर्ग,गंगा दिनकर,राम समुझ,गुड्डु प्रजापति, नारायण मिश्रा,कमलेश द्विवेदी,हरि गोविन्द शर्मा,दिलीप वर्मा,बालेंद्र द्विवेदी, लक्ष्मी कांत मिश्रा पूर्व अध्यक्ष,स्ट्र ओसीपी.के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए अंत में सभी को श्री कांत शुक्ला द्वारा संगठन में काम करने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

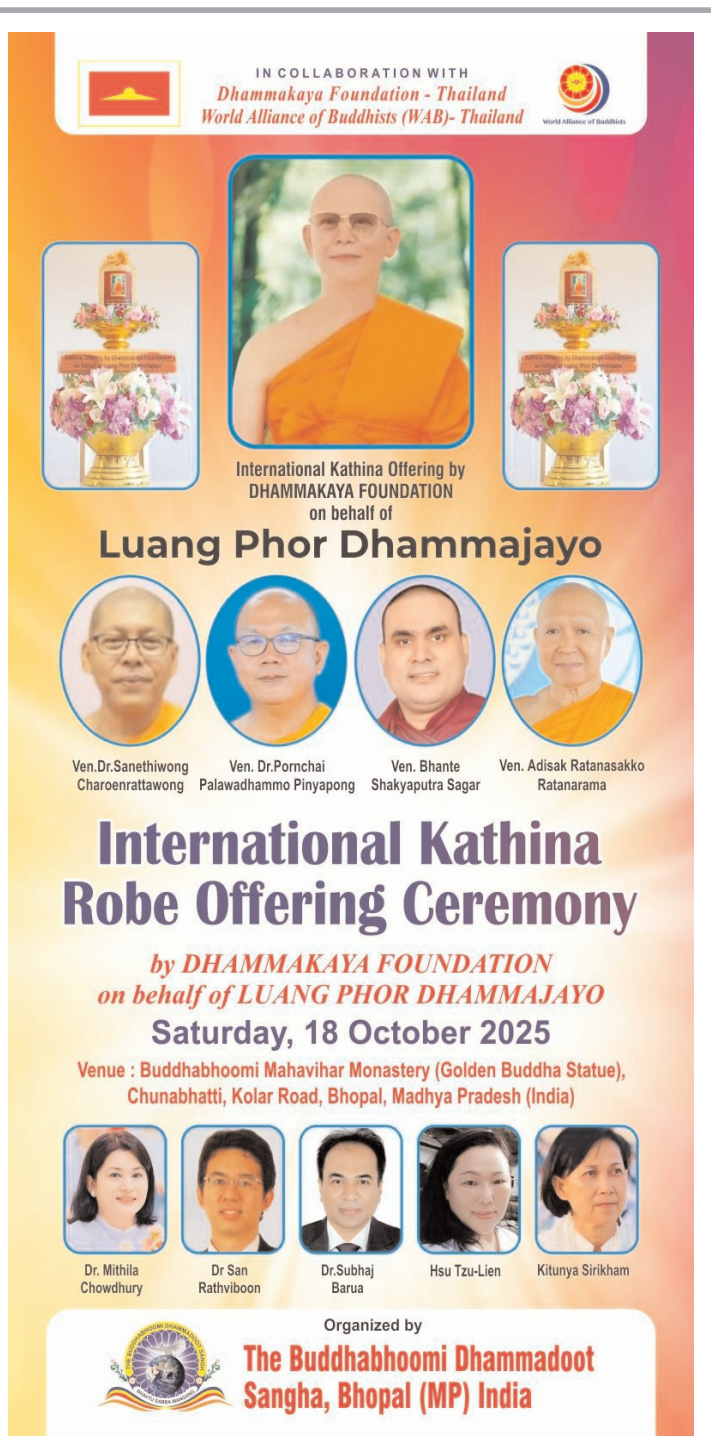

नमो बुद्धाय!

प्रिय धम्मबंधु एवं मैत्रीभावी,

आपको सादर आमंत्रण है कि अंतर्राष्ट्रीय कठिन चीवर दान समारोह - 2025 शनिवार, 18 अक्टूबर 2025, दोपहर 12:00 बजे से बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री, चुनाभट्टी, भोपाल के इस पावन और पुण्यमय अवसर पर सपरिवार पधारें।

यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं — यह करुणा, मैत्री और धम्म की जीवंत अभिव्यक्ति है, जहाँ एक चीवर दान से अनगिनत हृदयों में श्रद्धा, समर्पण और शांति का प्रकाश फैलता है। आपकी स्नेहमयी उपस्थिति इस ऐतिहासिक क्षण को और अधिक दिव्यता प्रदान करेगी।

पधारकर पुण्य लाभ प्राप्त करें — यही हमारा सच्चा सौभाग्य होगा।

दुश्मन से ज्यादा घातक होते हैं आस्तीन के सांप: अतर सिंह भारतीय

सामाजिक कार्यकर्ता अतर सिंह भारतीय, मप्र

वैसे तो बहुजन समाज के लोग काल्पनिक और गैर बराबरी की व्यवस्था की पूजा - पाठ दिन - रात करते ही हैं। इनके घरों में इनके ही पूर्वजों के हत्यारों के लिए जगह आरक्षित बनाए रखे हुए हैं। धर्म का स्वघोषित ठेकेदार बने घूम रहे हैं। विभिन्न यात्राएं व जुलूस निकालते और कोलाहल भी करते हैं। लेकिन जब यही धार्मिक कही जाने वाली अधार्मिक व्यवस्था के वास्तविक वारिस इनके साथ जातिवाद, अन्याय, ऊंच - नीच, छुआछूत, शोषण, बलात्कार या अपमान करते हैं तब इन बहुजन समाज के लोगों को फुले - अम्बेडकरी व्यवस्था जोकि संवैधानिक, न्याय, समता, प्रेम, करुणा, शील, दया, प्रतिनिधित्व याद आता है, संवैधानिक न्याय व्यवस्था याद आती है। यही दोगला पन है जिसका खामियाजा समाज के वे लोग भी भुगत रहे हैं जो फुले - अम्बेडकर के मिशन, समानता, न्याय, सम्मान, प्रतिनिधित्व, बंधुत्व के लिए दिन - रात लगे हुए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग, सामान्य वर्ग और धार्मिक अल्प संख्यक वर्ग के न्याय प्रिए और समानतावादी लोग शामिल हैं। ये दोगले लोग इस भेदभाव से भरी व्यवस्था की न सिर्फ़ पूजा पाठ ही करते हैं बल्कि उसका प्रचार - प्रसार भी करते हैं। जिन्हें सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्यूटर, यूट्यूब आदि पर खूब देखा जा सकता है। फुले - अम्बेडकर के मिशन के दुश्मन इन आस्तीन के सांपों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा है। जिनमें कुछ होशियार चंदों ने तो विभिन्न संगठन बना रखे हैं जो कि समाज को भीतर ही भीतर खोखला कर रहे हैं चुनाव के समय समाज से गद्दारी करने में भी नहीं चूकते हैं। कुछ आस्तीन के सांप आरक्षण से जनप्रतिनिधि हैं जबकि कुछ शासकीय नौकरियों में हैं। जिससे कि ओबीसी, एससी, एसटी यानि बहुजन समाज के लोगों को सही समय पर उचित न्याय, समता, उचित प्रतिनिधित्व (आरक्षण), शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान जैसे मूलभूत मानवीय मूल्यों से वंचित होना पड़ रहा है। इन आस्तीन के सांपों के वोट भी उसी मनुवादी व्यवस्था के प्रतिनिधियों को ही अधिकतम मिलता है जो इनकी ही बहिन - बेटियों की इज्ज़त तार - तार करते रहते हैं। आरक्षण का विरोध करते हैं। व्यवसाय नहीं करने देते हैं। छूआछूत करते हैं। सरकारी नौकरी या संस्थानों में भेदभाव करते हैं। दूल्हे को घोड़ा पर नहीं बैठने देते हैं। मूंछ रखने पर हत्या कर देते हैं। भारत के मुख्य न्यायधीश पर जूता मारते हैं। आई पी एस ऑफिसर वाई पूरन कुमार को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जाता है। जिसके घर में तीन-चार ढ्ढस्/ढ्ढक्क हों, जिसका फूफा खुद पूर्व ष्ठत्वक्क पंजाब रहा हो, और जब एक ष्ठत्वक्क रैंक के अधिकारी की लाश 8 दिन से मोर्चरी में पड़ी हो और पोस्टमॉर्टम तक न हुआ हो जिसकी पत्नी स्वयं वरिष्ठ ढ्ढस् हैं। तब भी उनकी आवाज़ नहीं सुनी जा रही है, तो आप किस भ्रम में जी रहे हो कि हम उस नेताजी या धर्म के खास लोग हैं? देश में कुछ नेताओं के चापलूस और अंधभक्त सोचते हैं कि नेता जी के साथ एक फोटो खिंचवा लेने भर से वे खास बन जाएंगे। मगर सरकार के साथ खड़े होने से पहले समाज के साथ खड़े होकर देखिए, असली पहचान वहीं बनती है और खास होने का भ्रम टूट जाएगा। कथा वाचन करने पर ओबीसी की यादव जाति के व्यक्ति का सिर मुड़वा दिया जाता है। सीधी के प्रवेश शुक्ला द्वारा आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब कर दी जाती है तथा जबरन पेशाब पिला दिया जाता है। राय बरेली के हरिओम वाल्मीकि की पीट - पीट कर निर्मम हत्या कर दी जाती है। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति तोड़ दी जाती है। एडवोकेट अनिल मिश्रा द्वारा ग्वालियर में मूर्ति नहीं लगने दी जाती और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को गंदा व्यक्ति भी कहा जाता है। दलितों को घोड़े पर नहीं बैठने दिया जाता है, मूंछ नहीं रखने दिया जाता है। ऐसे भेदभाव और छुआछूत भरे अनगिनत कृत्य समाज पर कहीं न कहीं निरन्तर रोज हो रहे हैं। यह सभी कु - कृत्य तभी संभव हो पा रहा है जब यही ओबीसी, एससी, एसटी यानि बहुजन समाज का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भरपूर राजनीतिक और धार्मिक सहयोग उनको मिल रहा है जो इस भेदभाव पूर्ण व्यवस्था के वास्तविक वारिस हैं। हालांकि यह विचारधारा न केवल अमानवीय और अन्यायपूर्ण है बल्कि देश के लिए घातक भी है। जिसको अभी तक बहुजन समाज के आस्तीन के सांपों के कंधों पर ढोया जा रहा है। जबकि इन आस्तीन के सांपों में अधिकतर वही लोग हैं जिन्होंने संवैधानिक व्यवस्था यानि आरक्षण का लाभ लिया है। जिसका श्रेय ये लोग उसी काल्पनिक और भेदभाव पूर्ण व्यवस्था को दे रहे हैं जो इनको अछूत मानती है, शोषण और अन्याय करती है। फिर भी ये लोग अंधेरे में हैं। ऐसे लोगों को आस्तीन के सांप की संज्ञा देना गलत नहीं होगा।

वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन की गूंज के बीच गुड्डू चौहान का तीखा वार

- **नगर पालिका सीएमओ के आदेश से बीएलओ असमंजस में!**
- **कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने उठाए गंभीर सवाल कहा, प्रशासन और भाजपा शासन मिलकर मतदाता सूची में कर रहे मनमानी की तैयारी**

कैलाश कुमार -
सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर में चल रहे फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 के दौरान बीएलओ (मतदान केंद्र अधिकारी) असमंजस की स्थिति में हैं। इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए नगर पालिका सीएमओ पर अनाधिकृत आदेश जारी करने और निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता से खिलवाड़ करने के आरोप लगाए हैं।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नगर पालिका प्रशासन की यह कार्यप्रणाली पूरी तरह अव्यवस्थित और मनमानी से भरी हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार 1 जनवरी 2025 की स्थिति में मतदाता सूची का पुनरीक्षण 8 से 17 अक्टूबर तक किया जाना है, परंतु नगर पालिका प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना और तैयारी के आदेश जारी किए।सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सीएमओ का आदेश 14 अक्टूबर की शाम 5꞉29 बजे व्हाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किया गया, जबकि कार्यक्रम 8 अक्टूबर से ही प्रारंभ हो चुका था। इतना ही नहीं प्रेषक के निरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात 15 अक्टूबर को दोपहर 11꞉20 बजे संदेश प्रसारित किया गया कि सभी बीएलओ अपने मतदान केंद्रों

पर उपस्थित हों। जिससे प्रेक्षक को भ्रमित किया जा सके। इससे स्पष्ट होता है कि पूरी प्रक्रिया आव्यवस्थित और औपचारिकता मात्र रह गई है गुड्डू चौहान ने कहा कि आज दिनांक 15 अक्टूबर जिला मुख्यालय के नगर पालिका क्षेत्र अनूपपुर के मेरे स्वयं के निरीक्षण के दौरान पाया गया कई बीएलओ अपने ड्यूटी मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं पाए गए , कुछ अध्यापन कार्य में लगे थे, कुछ प्रशिक्षण में व्यस्त, तो कुछ को आदेश की जानकारी तक नहीं थी। वहीं, एक महिला कर्मचारी जो मातृत्व अवकाश पर थी, उसे भी ड्यूटी सूची में शामिल कर दिया गया। नगर पालिका सीएमओ द्वारा बिना प्रशिक्षण दिए विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ को अन्य शासकीय कर्मचारीयो को पहली बार बीएलओ बने नगर क्षेत्र के मतदाता सूची कार्य में लगाया जाना पूर्णत: अवैध है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची में मनमानी और वोट चोरी की तैयारी का हिस्सा प्रतीत होती है, गुड्डू चौहान कहा कि कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन ऐसे ही जनविरोधी रवैये के खिलाफ है। प्रशासन और भाजपा शासन मिलकर लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहे हैं। और मतदाता सूची की पवित्रता से खिलवाड़ कर रहे हैं ,हम निर्वाचन आयोग से मांग करते हैं कि इस पूरे मामले की जांच कर सीएमओ की भूमिका स्पष्ट करें, और इसका प्रचार प्रसार कर और अधिक समय प्रदान किया जाए जिससे यह प्रक्रिया औपचारिकता मात्र ना रह जाए चौहान ने कहा। यदि स्थिति नहीं सुधरी तो कांग्रेस जनता के बीच उतरकर आंदोलन को और तेज करेगी।

जिला प्रशासन का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना- कलेक्टर

कलेक्टर ने जनजातीय कार्य, शिक्षा विभाग तथा सर्व शिक्षा अभियान की संयुक्त समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रमुख ध्येय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। सभी संकुल प्राचार्य, विद्यालय प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ शासन द्वारा निर्धारित सभी मूलभूत सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो। इसके अतिरिक्त, पात्रता के अनुसार सभी योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों तक पहुँचाया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान समय से ही परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए और उसका पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री पंचोली आज जिला पंचायत के सभागार में आयोजित जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा सर्व शिक्षा अभियान की संयुक्त समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने अर्धवार्षिक परीक्षा के संबंध में अधिकारियों एवं प्राचार्यों के साथ विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अर्धवार्षिक परीक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार आयोजित की जाए तथा उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच भी सुनिश्चित की जाए, जिससे विद्यार्थियों का सही आंकलन किया जा सके। कलेक्टर ने कहा

कि प्रत्येक विद्यालय में विद्यार्थियों की दक्षता के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाए और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए, ताकि जिले में बोर्ड परीक्षा के परिणाम और बेहतर हों। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्ष शिक्षकों द्वारा किए गए प्रयासों से जो सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए, उसी प्रकार इस वर्ष भी अधिक मेहनत कर परिणामों में सुधार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने संकुल प्राचार्यो को निर्देशित किया कि सभी संकुल प्राचार्य समय-समय पर विद्यालयों का निरीक्षण अवश्य करें तथा विद्यालयों की रिपोर्ट भी तैयार करें। कलेक्टर ने ड्रॉप आउट विद्यार्थियों के संबंध में भी विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक से जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने जिले में संचालित शालाओं में नामांकन, गणवेश एवं साइकिल वितरण, छात्रावास निरीक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, भवन निर्माण, पाठ्यपुस्तक वितरण, शालाओं में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा मरम्मत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने नामांकन पर जोर देते हुए नामांकन प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को विकासखण्ड स्तर पर बैठक आयोजित कर अपने अधीनस्थ कर्मियों को सक्रिय करने एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री पंचोली ने जनपदवार विद्यालयों में आईसीटी/कंप्यूटर लैब की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि जिले के जनपद पंचायत अनूपपुर में 16, जैतहरी में 33, कोतमा में 10 और पुष्पराजगढ़ में 23 लैब स्थापित की गई हैं, जिनमें विद्यार्थियों को कंप्यूटर की तकनीकी शिक्षा प्रदान की जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान युग कंप्यूटर का युग है, अतः विद्यार्थियों को गंभीरता से कंप्यूटर शिक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने अधिकारियों एवं प्राचार्यों को निर्देशित किया कि जिले में व्यवसायिक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने गणवेश वितरण राशि की स्थिति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रथम से अष्टम कक्षा तक के 57,354 विद्यार्थियों में से 54,402 विद्यार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण हो चुका है। आधार कार्ड से ई-केवाईसी न होने के कारण 1,628 विद्यार्थियों का ट्रांजैक्शन पेंडिंग है और 236 विद्यार्थियों का ट्रांजैक्शन असफल हुआ है। जिस पर कलेक्टर ने सभी प्राचार्य को प्रबंधक ई-गवर्नेंस से संपर्क स्थापित कर आधार कैंप विद्यालय में लगाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने दिव्यांग विद्यार्थियों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। जिस पर बताया गया कि जिले में लगभग 896 विद्यार्थी चिन्हित किए गए हैं, जिसके अंतर्गत विकासखण्ड अनूपपुर में 180, जैतहरी में 331, कोतमा में 165 तथा पुष्पराजगढ़ में 220 विद्यार्थी हैं। इसी प्रकार कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय, सिविल शिक्षा प्रोत्साहन, योजना बस्ती विकास योजना की प्रगति, लंबित पेंशन प्रकरण सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक, जिला शिक्षा अधिकारी श्री तुलाराम आर्मो सहित जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी एवं संकुल प्राचार्य तथा विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा और स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित की जा रही हैं विभिन्न गतिविधियां।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। प्रदेश के साथ ही जिले में 17 सितम्बर शुरू हुए सेवा पखवाड़ा अभियान में सामूहिक भागीदारी से सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई का अभियान चल रहा है। इसी के साथ महिला सशक्तिकरण सहित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स और स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं, किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाड़ी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोगियों की स्वास्थ्य जांच, ईसीजी एवं इको जांच की गई। शिविर में अन्य बीमारियों की भी जांच और आवश्यक उपचार किया गया। स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधी, डॉक्टर्स, सीएचओ, एएनएम, आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी प्रकार रायसेन में नगर पालिका परिषद द्वारा विभिन्न वार्डों में जाकर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा साफ सफाई की गई तथा नागरिकों को भी स्वच्छता बनाए रखने की समझाईश दी गई। पोषण माह के तहत जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा महिलाओं को पोषण आहार बनाने की जानकारी भी दी गई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित पथ संचलन का मीणा समाज संगठन ने किया भव्य स्वागत।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। आज नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (100 वर्ष पूर्ण होने) के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर नगर का वातावरण पूर्णत: देशभक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत दिखाई दिया। पूर्ण गणवेश में अनुशासित पंक्तियों में चल रहे स्वयंसेवकों का यह पथ संचलन एकता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत प्रतीक रहा। पथ संचलन के दौरान नगरवासियों ने स्थान-स्थान पर फूलों की वर्षा कर और तिलक लगाकर स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया। सड़क किनारे खड़े नागरिकों, माताओं-बहनों, युवाओं और बच्चों ने 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' जैसे घोषों के साथ इस ऐतिहासिक क्षण का स्वागत किया। इस अवसर पर मीणा समाज सेवा संगठन जिला रायसेन के पदाधिकारियों ने संचलन का स्वागत किया स्वागतकर्ताओं में संगठन के प्रदेश मंत्री श्री दातार सिंह मीणा जी,जिला महामंत्री श्री भगवान सिंह मीणा जी,जिला उपाध्यक्ष श्री किशन सिंह मीणा जी,श्रीकमलसिंह मीणा जी श्री लीलाकिशन मीणा जी,श्री बदन सिंह मीणा जी,श्री बलराम मीणा जी,श्री महाराज सिंह मीणा जी,श्री ओमप्रकाश मीणा जी,श्री राकेश मीणा जी,श्री बहादुर मीणा,भाजयुमो नगर अध्यक्ष श्री दीपक मीणा जी ,मण्डल अध्यक्ष श्री प्रकाश मीणा ,श्री कमलेश मीणा, श्री राजेन्द्र मीणा एबं समस्त सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

हिंदी के कलमकारों व पत्रकारों को प्रेरणा सम्मान प्रदान किया गया

कैलाश कुमार
सह संपादक (युवा प्रदेश)

जबलपुर – प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु जारी अभियान के तहत हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रही है और इस यज्ञ को सारे देश में प्रचारित प्रसारित करने में अहम योगदान देने वाले कलमकारों व पत्रकारों को प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा सम्मानित करती है। इस कड़ी में श्री राकेश आनन्दकर अजमेर (राजस्थान) स्वतन्त्र पत्रकारिता , अनिल मिश्रा प्रधान सम्पादक छत्तीसगढ़ उजाला रायपुर छत्तीसगढ़ , श्रीराम राय शिक्षक कवि स्पर्श औरंगाबाद, बिहार , रोहित मिश्रा राष्ट्रवादी संपादक – रोहित संवाद बाराबंकी , अजय जैन विकल्प इंदौर संपादक – हिंदी भाषा डाट काम , अनिता के. शाह वडोदरा गुजरात सह संपादक – गुजराती बोल , दिनेश प्रकाश बहुगुणा नया अध्याय साप्ताहिक समाचार पत्र न्यूज पोर्टल एवं यूट्यूब चैनल देहरादून उत्तराखण्ड , आनंद पाण्डेय दैनिक रेवांचल टाइम्स संभाग ब्यूरो शहडोल , सतीश कुमार पांडे प्रियांशी विचारधारा जबलपुर जोन प्रभारी जिला उमरिया म.प्र. बिरसिंहपुर पाली , शिवशंकर तिवारी सोहगौरा वरिष्ठ पत्रकार प्रतापगढ़ (उ.प्र.) , अंशिका नीरज टाइम्स देहरादून , प्रतिमा पाठक प्रभारी दिल्ली समाचार पत्र – अमर भास्कर , अनिल सेन संपादक – जबलपुर दर्पण , संतोष कुमार पाण्डेय ब्यूरो चीफ न्यू गीतांजलि टाइम्स महासचिव – राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत जनपद सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश , विपेक्षा संपादक – विवृति दर्पण देहरादून , विनोद निराश संपादक – उत्कर्ष ज्योति , लेखक श्रवण खोड जोधपुर राजस्थान अन्तर्राष्ट्रीय प्रेस रिपोर्टर , विजय दुसेजा बिलासपुर छत्तीसगढ़ हमर संगवारी समाचार पत्र , कमलेश घोष संपादक – दैनिक हम पांच छतरपुर म.प्र. , श्याम सरन खन्ना संपादक – उत्तर केसरी, मुरादाबाद , देवेन्द्र सोनी प्रधान संपादक – वेव न्यूज युवा प्रवर्तक इटारसी म.प्र. , ललित कोष्टा जी पत्रकार जबलपुर मध्यप्रदेश , तजिन्द्र शर्मा प्रधान संपादक – अंबाला हलचल समाचार पत्र , राजवीर सिंह वरिष्ठ पत्रकार अम्बाह मुरैना , रामलखन गुप्त वरिष्ठ पत्रकार चाकघाट रीवा मध्यप्रदेश , जनार्दन सिंह संपादक भोजपुरी राज्य संदेश लखनऊ , नीरज ज्योति संपादक ट्रु उत्कर्ष रोहिला देहरादून , नेमा खगेश के शाह संपादक – गुजराती बोल, बड़ोदरा , विपिन सिंह ब्यूरो चीफ दैनिक चारधाम टाइम्स , रिपु सूदन नामदेव हास्य व्यंग्य कवि / लेखक प्रबंध संपादक वीरांगना झांसी न्यूज , श्रीमती कुमकुम नामदेव संपादक – वीरांगना झांसी न्यूज, गौतम जैन संपादक – बिजनेस दर्पण इंदौर , गोपाल गुप्ता जयपुर जनतंत्र की आवाज समाचार पत्र , नीरज कुमार तिवारी ब्यूरो चीफ – वॉयस ऑफ अमेठी , किशन लाल अग्रवाल वरिष्ठ पत्रकार नवभारत बरगढ़ उड़ीसा , कैलाश कुमार ब्यूरो प्रमुख म.प्र.– आनंद पब्लिक समाचार , पूनम सिंह समाचार पत्र – चारधाम टाइम्स , महेश अग्रवाल जी समाचार पत्र – मंथन मुंबई, राधेश्याम तिवारी सम्पादक सिद्ध भूमि एक्सप्रेस साप्ताहिक पडरौना जिला –कुशीनगर उत्तर प्रदेश , आदेश शर्मा लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश समाचार संपादक हमराह टुडे न्यूज लखनऊ उत्तर प्रदेश , अजय कुमार पांडेय ब्यूरो चीफ – सदभावना का प्रतीक दैनिक, प्रतापगढ़ उ.प्र. , रवि प्रकाश खजूरिया संपादक – नई रोशनी जम्मू , अखिलेश कुमार अखिल संपादक – भारत पोस्ट दिल्ली , आदित्य प्रकाश श्रीवास्तव संपादक – कुशीनगर केसरी कुशीनगर उ.प्र. , संजय सक्सेना संपादक – दैनिक क्षितिज किरण जबलपुर , तेजेन्दर शर्मा अंबाला हलचल , तजिन्द्र शर्मा प्रधान संपादक – अंबाला हलचल समाचार पत्र को सम्मानित किया है। प्रेरणादायक हिंदी प्रचारिणी सभा के महासचिव प्रदीप मिश्र अजनबी दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लाल सिंह किरार अम्बाह मुरैना, सलाहकार सोमनाथ शुक्ल प्रयागराज व संस्थापक प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा कवि संगम त्रिपाठी ने सभी कलमकारों व पत्रकारों से हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु जारी अभियान में प्रेरणादायक सहयोग की अपील की है। कवि संगम त्रिपाठी संस्थापक प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा ने सभी कलमकारों पत्रकारों को जो प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा को निरंतर जारी अभियान में सहयोग प्रदान कर रहे हैं उन्हें 14 सितंबर 2026 को अपने आयोजन में शामिल कर सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

100 वर्ष पूर्ण होने पर आरएसएस द्वारा धूमधाम से मनाया गया शताब्दी वर्ष

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

राजनगर। राजनगर नगर परिषद बनगांव में विश्व की सबसे बड़ी संगठन आरएसएस के द्वारा 100 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे भारत में शताब्दी वर्ष बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें पंथ संचालन किया गया जो नगर परिषद बनगांव रविवार बाजार इको पार्क से सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ध्वज को प्रणाम कर सभी स्वयंसेवकों ने पथ संचालन प्रारंभ किया जिसमें नगर के मुख्य मार्ग बस स्टैंड से होते हुए भगत सिंह चौक पहुंची जहां पर लोगों ने ने सभी स्वयंसेवकों के ऊपर फूलों की वर्षा की मेंन रोड होते हुए न्यू राजनगर होते हुए नगर परिषद बनगांव कार्यालय पहुंची जहां पास नगर परिषद के कर्मचारियों के द्वारा इन सभी स्वयंसेवकों के ऊपर फूलों का वर्षा की गई उसके बाद न्यू राज नगर दुर्गा पूजा पंडाल में सभी स्वयंसेवको ने पहुंच कर पंथ संचालक का समापन किया गया उसके बाद इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मध्य क्षेत्र से आए गंगा राजीव जी पांडे क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख ने अपने उद्बोधन में कहा कि आने वाले समय में हर घर से एक स्वयंसेवक जरूर निकले राष्ट्रहित में अपना योगदान दे देश में चल रही चुनौतियों को मिलकर सामना करें उसके बाद सभी स्वयंसेवकों को भोग मिष्ठान वितरण किया गया और कार्यक्रम का समापन किया गया राजनगर नगर परिषद बनगांव में विश्व की सबसे बड़ी संगठन आरएसएस के द्वारा 100 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे भारत में शताब्दी वर्ष बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें पंथ संचालन किया गया जो नगर परिषद बनगांव रविवार बाजार इको पार्क से सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ध्वज को प्रणाम कर सभी स्वयंसेवकों ने पथ संचालन प्रारंभ किया जिसमें नगर के मुख्य मार्ग बस स्टैंड से होते हुए भगत सिंह चौक पहुंची जहां पर लोगों ने ने सभी स्वयंसेवकों के ऊपर फूलों की वर्षा की मेंन रोड होते हुए न्यू राजनगर होते हुए नगर परिषद बनगांव कार्यालय पहुंची।

देवरी में कांग्रेस की किसान पंचायत, खाद-बीज की समस्या को लेकर भाजपा पर निशाना

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी, रायसेन। नगर में कांग्रेस की ओर से किसान पंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों किसान शामिल हुए। इस दौरान किसानों ने खाद, बीज, डीएपी, यूरिया और एसएसपी जैसी जरूरी कृषि सामग्री की कमी सहित अपनी विभिन्न समस्याएं कांग्रेस नेताओं के समक्ष रखीं। कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र धाकड़ सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसानों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कहा कि सरकार किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के अधिकारों

के लिए सड़क से विधानसभा तक संघर्ष करेगी। इस मौके पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, विधायक और अन्य वक्ताओं ने भी भाजपा सरकार को किसानों की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस किसान हित में ठोस कदम उठाएगी

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस–3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :**– नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)